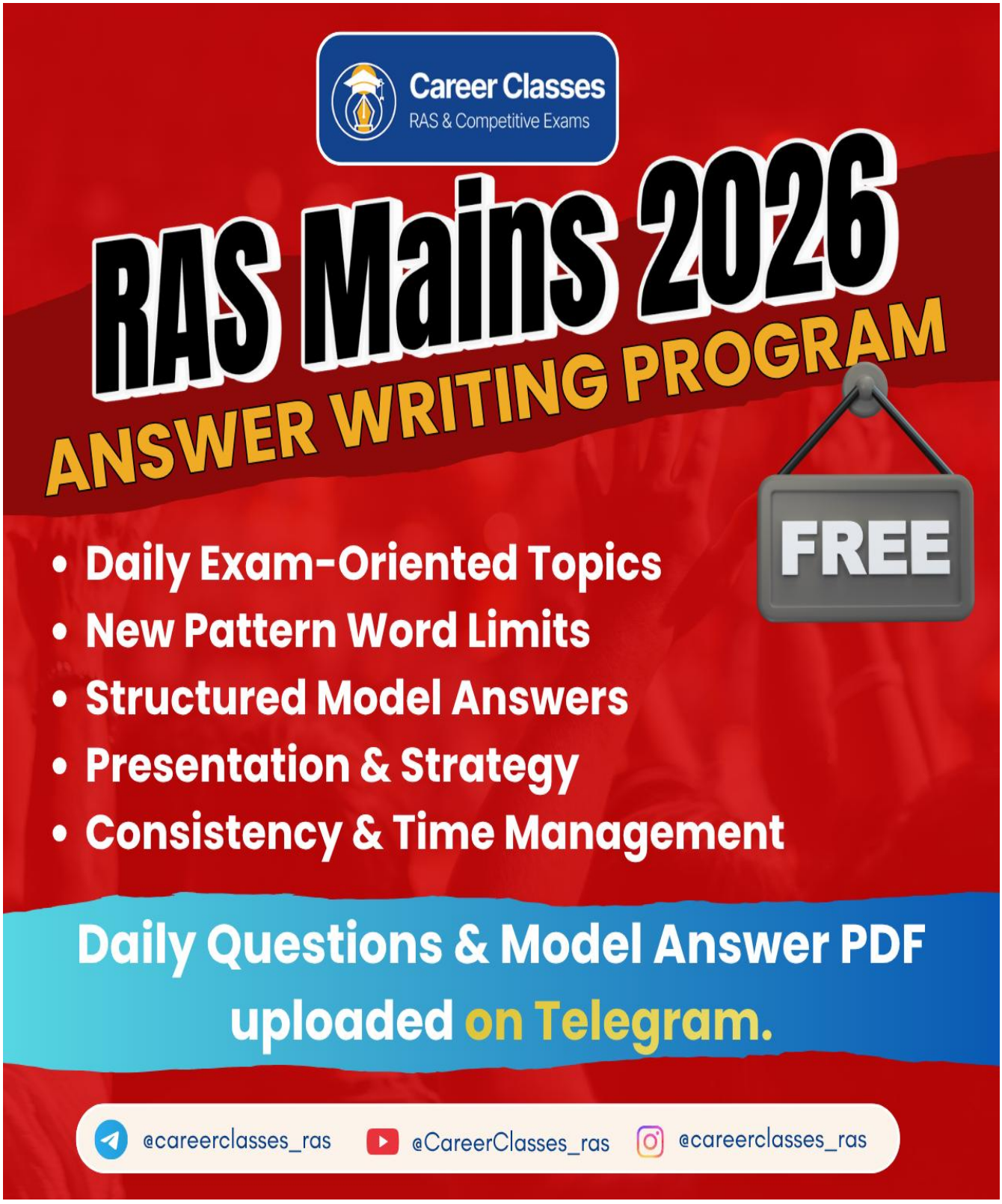
Career Classes
RAS & Competitive Exams
RAS Mains 2026
ANSWER WRITING PROGRAM
FREE
• Daily Exam-Oriented Topics
• New Pattern Word Limits
• Structured Model Answers
• Presentation & Strategy
• Consistency & Time Management
Daily Questions & Model Answer PDF
uploaded on Telegram.
@careerclasses_ras
@CareerClasses_ras
@careerclasses_ras

CCR RAS Mains 2026 - AWP

★ सामान्य अध्ययन (GS) प्रश्न-पत्र: III इकाई: I (भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, विश्व राजनीति एवं समसामयिक मामले)
★ Topic : **Special Intensive Revision' (SIR)**

Join Telegram - @careerclasses_ras

प्रश्न: निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित 'Special Intensive Revision' (SIR) अभियान के महत्व को 2026 के चुनावी आंकड़ों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।(5 अंक / 50 शब्द)

- **उद्देश्य: मतदाता सूची से अशुद्ध, दोहरे और मृत मतदाताओं के नाम हटाकर उसे 100% सटीक बनाना।**
- **प्रभाव (Key Facts): इस अभियान के तहत 91 लाख नामों की कटौती की गई, जिसके परिणामस्वरूप 2026 के चुनावों में 92.83% का रिकॉर्ड मतदान दर्ज हुआ।**
- **महत्व: यह 'घोस्ट वोटर्स' को समाप्त कर चुनावी पारदर्शिता, डेटा शुचिता और वास्तविक लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित करने का एक सशक्त प्रशासनिक उपकरण है।**

प्रश्न: "निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित 'Special Intensive Revision' (SIR) अभियान चुनावी प्रक्रिया की शुचिता और डेटा सटीकता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।" 2026 के चुनावों में प्राप्त 92.83% मतदान के रिकॉर्ड संदर्भ में इस कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।(10 अंक / 200 शब्द)

भूमिका: भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला 'स्वच्छ और पारदर्शी निर्वाचन' है। हाल ही में निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित 'Special Intensive Revision' (SIR) अभियान ने मतदाता सूची के शुद्धिकरण के माध्यम से चुनावी सांख्यिकी के नए आयाम स्थापित किए हैं। 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में इस अभियान के तहत 91 लाख

अशुद्ध, दोहरे और मृत मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जिसका सीधा प्रभाव 92.83% के ऐतिहासिक मतदान प्रतिशत के रूप में परिलक्षित हुआ।

अभियान का बहुआयामी विश्लेषण:

1. सांख्यिकीय सत्यता और शुद्धिकरण: अक्सर पुरानी सूचियों में मृत या पलायन कर चुके 'घोस्ट वोटर्स' के कारण मतदान का वास्तविक प्रतिशत कम प्राप्त होता था। SIR अभियान ने सूची के 'आधार' (Denominator) को सटीक बनाया, जिससे चुनावी भागीदारी के वास्तविक और विश्वसनीय आंकड़े (92.83%) प्राप्त हुए।

2. तकनीकी एवं प्रशासनिक समन्वय: इस अभियान में AI-आधारित सॉफ्टवेयर और 'डोर-टू-डोर' भौतिक सत्यापन का समन्वय किया गया। 91 लाख नामों की कटौती यह सिद्ध करती है कि तकनीक के प्रयोग से चुनावी विसंगतियों और फर्जी मतदान की संभावनाओं को पूर्णतःसमाप्त किया जा सकता है।

3. लोकतांत्रिक जवाबदेही और विश्वास: जब प्रत्येक मत की गणना सटीक होती है, तो निर्वाचन प्रक्रिया में नागरिकों का विश्वास बढ़ता है। यह अभियान 'एक राष्ट्र, एक मतदाता सूची' (One Nation, One Electoral Roll) की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

4. प्रशासनिक दक्षता: सटीक मतदाता सूची से चुनाव सामग्री के अपव्यय, सुरक्षा बलों की तैनाती और प्रशासनिक खर्चों में भी मितव्ययिता आती है।

चुनौतियां एवं आलोचनात्मक पक्ष:

यद्यपि यह अभियान सफल रहा, परंतु इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाने के दौरान 'डिजिटल डिवाइड' और वास्तविक मतदाताओं के नाम कटने जैसी मानवीय त्रुटियों की संभावना बनी रहती है। अत; नाम हटाने से पूर्व 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांतों और उचित सार्वजनिक सूचना तंत्र का पालन अनिवार्य है।

निष्कर्ष:

SIR अभियान ने सिद्ध कर दिया है कि चुनावी सुधार केवल मतदान के दिन के प्रबंधन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसकी सफलता 'शुद्ध मतदाता सूची' पर निर्भर है। 92.83% का मतदान यह प्रमाणित करता है कि यदि मतदाता सूची पारदर्शी हो, तो लोकतंत्र की जड़ें और अधिक मजबूत होती हैं। यह मॉडल भविष्य के सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चुनावों के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत (Benchmark) होना चाहिए।

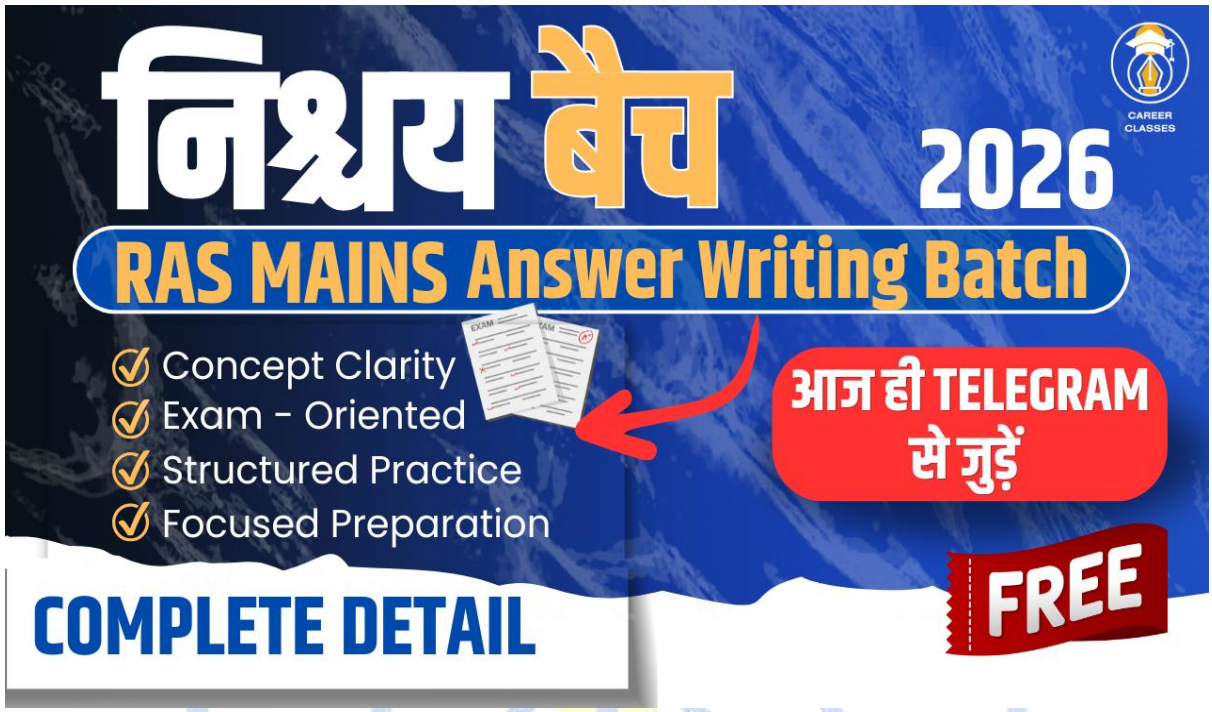

Join Telegram - @careerclasses_ras

CAREER
CLASSES